हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार, 1 सितंबर 2025

9 जिले के 27 स्कूलों के 649 विद्यार्थियों ने दी रामायण...

10 पीएम की मां पर अभद्र टिप्पणी के विरोध में ...

खबर संक्षेप

हेरोइन लेकर आ रहे चार आरोपियों को पकड़ा

भिवानी। पुलिस की सीआईए स्टाफ -2 टीम ने मादक पदार्थ लेकर आ रहे चार आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। सीआईए स्टाफ-2 भिवानी के सहायक उप निरीक्षक सुरेंद्र सिंह की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर नाकाबंदी कर आरोपियों को गिरफ्तार कर मादक पदार्थ बरामद कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान सावन निवासी वार्ड नंबर- 7 राजीव नगर तोशाम, अमन निवासी गली नंबर-5 बावड़ी गेट भिवानी, मनदीप निवासी वार्ड नंबर- 7 राजीव नगर तोशाम व प्रदीप निवासी सरसोंप बरवाला जिला हिसार के रूप में हुई है। पुलिस टीम ने आरोपियों से 39. 48 ग्राम हरोईन बरामद कर आरोपियों की स्विफ्ट गाड़ी को पुलिस कब्जे में लिया गया है।

रोड तोड़ने पर अज्ञात के खिलाफ शिकायत दर्ज

भिवानी। सागवान से दांग कला की तरफ जाने वाले रोड को अवैध रूप से काटने पर जिला परिषद द्वारा अज्ञात लोगों के खिलाफ तोशाम थाना में शिकायत दर्ज दी गई है। वहीं जिला प्रशासन ने कहा है कि यदि कोई इस तरह रोड के साथ साथ ड्रेन या पानी निकासी के संसाधनों को अवैध तरीके से काटता है तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उल्लेखनीय है कि बारिश के दौरान विभिन्न स्थानों पर जल भराव की स्थिति है। सिंचाई विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, पंचायत विभाग, जिला परिषद, शहरी स्थानीय निकाय विभाग द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में पानी की निकासी करवाई जा रही है। डीसी साहिल गुप्ता द्वारा निर्देश दिए गए हैं कि यदि कोई अवैध रूप से रोड, ड्रेन, माइनर या नालों को अवैध रूप से काटता है तो उनके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई जाए।

एम्स बाढ़सा की टीम ने 28 यूनिट रक्त किया एकत्रित

भिवानी। मॉडल दादरी जिला बनाओ संगठन द्वारा पालडी, बधवाना, मंदौली, दूधवा आदि में रक्तदान, रोजगार मेला व मेडिकल कैंप लगाए। अध्यक्षता बीडीसी संदीप पालडी, बलबीर मलिक, मोनिका बीडीसी ने की। मुख्यतिथि के तौर पर सांसद धर्मबीर सिंह के पुत्र मोहित चौधरी ने शिरकत की। मोहित चौधरी ने कहा कि संगठन अच्छा काम कर रहा है, सभी को ऐसी सामाजिक मुहिमों में यथा संभव सहयोग करना चाहिए। संगठन युवा विंग अध्यक्ष अधिवक्ता अनिल साहू ने उनका आभार जताते हुए गांव की मांगें उनके सामने रखी। शिविर में एम्स बाढसा की टीम ने 28 यूनिट रक्त एकत्रित किया।

बारिश की संभावना को लेकर कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द , पब्लिक हेल्थ आया अलर्ट मोड पर

बारिश को लेकर मौसम विभाग की भविष्यवाणी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

बारिश को लेकर मौसम विभाग की भविष्यवाणी के चलते सरकार अलर्ट मोड में आ गई। सरकार ने पब्लिक हेल्थ, सिंचाई विभाग के सभी कर्मचारी व अधिकारियों की छुट्टियां रद्द कर दी। साथ ही उनको 48 घंटे तक स्टेशन छोड़ने के निर्देश दिए है। यहां तक कि जो कर्मचारी पहले से छुट्टी पर गए हुए है। उनको भी वापस बुला लिया गया है। दूसरी तरफ पब्लिक हेल्थ के अधिकारियों ने डिस्पोजल व पानी की निकासी के सभी यंत्रों व पम्पों सेटों को तैयार रखने के निर्देश दिए है। इसी क्रम में पब्लिक हेल्थ विभाग के अधीक्षक अभियंता ने शहर स्थित सभी डिस्पोजलों का निरीक्षण किया और बारिश के पानी की निकासी के पुख्ता इंतजाम करने के आदेश दिए।

सभी उपायुक्तों को भेजे निर्देशों के तहत कोई भी कर्मचारी अगले 48 घंटे तक स्टेशन न छोड़े। खासकर सिंचाई विभाग, पब्लिक हेल्थ ,लोक निर्माण विभाग, शहरी स्थानीय निकाय, पंचायत विभाग के अधिकारी नियमित रूप से सभी ड्रेन, नालों, डिस्पोजल का नियमित रूप से निरीक्षण करें। जरूरत के अनुरूप वहां पर पानी निकासी के संसाधन स्थापित किए जाएं। वे स्वयं संभावित जलभराव क्षेत्र और पानी निकासी के लिए डिस्पोजल प्वाइंट का दौरा करें और अपने कार्यालय परिसर में बाढ़ नियंत्रण सूचना केंद्र स्थापित करें। डीसी ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए हैं कि आवश्यक दवाओं का स्टॉक पर्याप्त मात्रा में रखें और चिकित्सा स्टॉफ अपनी-अपनी ड्यूटी पर तैनात हो। उन्होंने पुलिस विभाग और अग्निशमन विभाग को भी अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं।

बरसात से निपटने की तैयारी में जुटा प्रशासन

सरकार ने पब्लिक हेल्थ और सिंचाई विभाग के सभी कर्मचारी व अधिकारियों की छुट्टियां रद्द कर दी। साथ ही उनको 48 घंटे तक स्टेशन छोड़ने के निर्देश दिए है। छुट्टी गए कर्मचारियों को वापसी बुलाया।

जलभराव वाले इलाकों को किया चिह्नित: रंगा

अधीक्षण अभियंता सुनील रंगा ने बताया कि बारिश के मौसम को देखते हुए सरकार के दिशा निर्देशानुसार जन स्वास्थ्य विभाग से जुड़े हुए सभी अधिकारी कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई तथा मुख्यालय पर रहने के निर्देश दिए गए हैं । इसके साथ-साथ जहां भी जल भराव की संभावना है उन स्थानों को चिन्हित करके उन पर पूरा फोकस किया जा रहा है। पर्याप्त मात्रा में डीजल इंजन व मोटर पंप सेट स्थापित किए हुए हैं तथा जरूरत अनुसार हर साइट पर डीजल उपलब्ध करवा दिया गया है। सभी संबंधित अधिकारी कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि लापरवाही करने पर कड़ा संज्ञान लिया जाएगा। इस मौके पर अधीक्षण अभियंता सुनील रंगा देवसर चुंगी डिस्पोजल पर उप मंडल अभियंता सूरज प्रकाश जैन, कनिष्ठ अभियंता बिजेश कुमार जावला व कपिल श्योराण आदि मौजूद थे।

बाढ़ नियंत्रण कक्ष किए स्थापित

किसी तरह की अप्रिय घटना से बचने के लिए जिला प्रशासन की तरफ से बाढ नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। उक्त नियंत्रण कक्ष में 24 घंटे कर्मचारी तैनात रहेंगे। साथ ही प्रशासन की तरफ से टेलीफोन नम्बर भी जारी किया गया है। अगर किसी इलाके में बारिश से जलभराव की स्थिति बनती है तो तत्काल उक्त कार्यालय में सम्पर्क करके सूचना दी जाए। ताकि समय रहते उस जगह पर पहुंचकर लोगों की मदद की जा सके।

कोताही बरतने वालों पर होगी कार्रवाई

उपायुक्त साहिल गुप्ता ने पानी निकासी से संबंधित सभी विभागों के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि वे ड्यूटी पर तैनात रहें और स्टेशन छोडक़र ना जाएं। डीसी ने चेतावनी देते हुए कहा है कि ड्यूटी पर कोताही बरतने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

रविवार दोपहर बाद बदला मौसम

लोहारू में झमाझम बरसात से सड़क हुई जलमग्न

- दो दिन से गर्मी और उमस से लोग थे परेशान
- प्रदेश के कई जिलों में तीन दिन का बरसात का कर रखा है अलर्ट घोषित

लोहारू। लोहारू के मुख्यबाजार में बरसात के दौरान जमा बरसाती पानी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ लोहारू

मौसम विभाग के पूर्व अनुमान अनुसार रविवार दोपहर बाद मौसम में परिवर्तन हुआ और आसमान में घने काले बादल छा गए और मौसम सुहाना हो गया। दो दिनों से उमस भरी गर्मी होने के कारण लोगों को काफी परेशानी हो रही थी। दोपहर बाद हुई झमाझम बरसात ने जहां शहर की सडक़ें जलमग्न हो गई वहीं लोगों को गर्मी से भी राहम महसूस हुई। बता दें कि हरियाणा के कई जिलों में तीन दिनों का बरसात का अलर्ट घोषित कर रखा है तथा रविवार को दोपहर बार आसमान में घनघोर घटाएं छा गई और मौसम सुहाना हो गया। चार बजे बाद अचानक झमाझम बरसात शुरू हो गई तथा शहर के मुख्य बाजार की सडक़े जल मग्न हो गई।

शहर के सूरजगढ़ रोड, रेस्ट हाउस के सामने, बस स्टेंड के सामने, चौ देवीलाल चौक, पुराना शहर के माता चौक, वार्ड न. तीन के

- नपा प्रशासन से बाल्मिकी चौक के हालातों को सुधारने की मांग की

बाल्मीकि चौक पर एक बार फिर बरसात के कारण तालाब जैसी स्थिति पैदा हो गई। लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। बाल्मिकी चौक पर जमा बरसाती पानी के लिए लोग नगरपालिका प्रशासन को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। लोगों ने नगरपालिका प्रशासन से बाल्मिकी चौक के हालातों को सुधारने की मांग की है।

दो दिन पहले लोहारू और आसपास के इलाके में हुई बरसात से किसानों की कपास, ग्वार, मूंग आदि फसलें काफी प्रभावित हो गई थी। अब तीन दिनों के बरसात के अलर्ट के चलते किसानों का कहना है कि अब और अधिक बरसात हुई तो किसानों की पूरी फसल चौपट हो सकती है।

खेल स्पर्धाओं में अभिभावकों व शिक्षिकाओं ने दिखाई प्रतिभा

- राष्ट्रीय खेल दिवस उत्सव के तीसरे दिन नशे से दूर रहने का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूजः भिवानी

भिवानी। मटकी दौड़ स्पर्धा में भाग लेते अभिभावक व शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

राष्ट्रीय खेल दिवस पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस युवा जागृत सेवा समिति एवं सदाचारी शिक्षा समिति के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय खेल उत्सव में तीसरे दिन नशे से दूर रहने का संदेश दिया।

निदेशक सावित्री यादव और राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता संयोजक अशोक कुमार भारद्वाज ने कहा कि शिक्षक और अभिभावक भी अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहे। उन्होंने कहा कि उनका स्वास्थ्य सही रहेगा तो वे भी अपने बच्चों को बच्चों का भी मार्गदर्शन अच्छी तरह से करेंगे। रविवार को अभिभावकों व शिक्षकों के साथ सीनियर, जूनियर क्रिकेट, खो-खो, रस्साकस्सी, लेमन रेस, रस्सी कूद, मटका दौड़, लांग जम्प सहित अनेक खेल प्रतियोगिताएं करवाई गईं। अभिभावकों व विद्यार्थियों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ भाग लिया और अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर आए विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। राष्ट्रीय खेल दिवस ध्यानचंद की स्मृति में आयोजित खेल उत्सव उनके लिए प्रेरणास्रोत है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर विजेंद्र कुमार, प्राचार्या समी यादव, सरला अग्रवाल, सुमित मलिक, उर्मिला सैनी, मास्टर दयानंद, बबीता, कविता, अनिता सैनी, सुनैना व शकुन्तला आदि उपस्थित रहे।

भिवानी। शिक्षिका कृष्णा सिवाच को सेवानिवृति पर सम्मानित करते शिक्षक।

27 वर्ष की सेवा उपरांत शिक्षका कृष्णा सिवाच सेवानिवृत्त हुईं

हरिभूमि न्यूज : भिवानी

- सबसे पहले राजकीय उच्च विद्यालय सुंगरपुर में संस्कृत शिक्षका का कार्यभार संभाला

संस्कृत अध्यापक के पद पर 27 वर्षों तक सेवा करने के बाद कृष्णा कुमारी सेवानृवित्त हो गई, उनकी सेवानृवित्ति पर साथी अध्यापकों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी।

वर्ष 1967 में सच्चा खेड़ा जिला जींद में जन्मी कृष्णा सिवाच ने अपनी प्राथमिक शिक्षा अपने पैतृक गांव से प्राप्त की। उन्होंने भिवानी के सरकारी कॉलेज और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा हासिल की। उन्होंने बीएड की उपाधि भी हासिल की, जिससे वे शिक्षण कार्य के लिए योग्य बनी।

कृष्णा सिवाच ने 1998 में सरकारी सेवा में प्रवेश किया और सबसे पहले राजकीय उच्च विद्यालय सुंगरपुर में संस्कृत शिक्षक के रूप में कार्यभार संभाला। उन्होंने राउवि (कन्या) मितथल सहित कई सरकारी विद्यालयों में अपनी सेवाएं दी। उनका विवाह गांव मितथल निवासी धर्मबीर सिवाच से हुआ तथा उनकी दोनों बेटियों ने भी उच्च शिक्षा प्राप्त की है और विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाई है।

उन्होंने कहा कि कृष्णा की यात्रा साधारण परिवार से शुरू होकर प्रतिष्ठित शिक्षक और समाजसेवी के रूप में विख्यात हुई, जो सबके लिए प्रेरणा है। वही सेक्टर 23 रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान सज्जन सिंगला, कानूनी प्रकोष्ठ अधिवक्ता राकेश नेहरा, अजीत बेनीवाल, राजकुमार जांगड़ा, डॉ. विजय सनसनवाल, सुरेंद्र धानक, हितेन्द्र वशिष्ठ, होशियार महला, पदम परमार आदि ने उन्हें बधाई दी।

जामपुर सेवा समिति ने मनाया राधा गोपाष्टमी पर्व

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

- बच्चों ने मनमोहक झांकियाँ और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए

जामपुर सेवा समिति ने कृष्ण कॉलोनी में चार मरला कॉलोनी स्थित श्री राम मंदिर में धूमधाम से राधा गोपाष्टमी का आयोजन किया। इस अवसर पर बच्चों ने मनमोहक झांकियाँ और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिसने सभी का मन मोह लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत भगवान राधा-कृष्ण की विशेष पूजा-अर्चना के साथ हुई। बच्चों ने भगवान कृष्ण और राधा के जीवन से जुड़े विभिन्न दृश्यों को झाँकियों के माध्यम से जीवंत किया, जिसमें कृष्ण की बाल लीलाएँ और गोपियों के साथ उनके रास-लीला के दृश्य प्रमुख थे। इन झाँकियों ने उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को भक्ति के रंग में सराबोर कर दिया। समिति के प्रधान गोपाल कृष्ण पोपली व महासचिव विनोद मिर्ग ने इस पावन अवसर के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि राधा गोपाष्टमी का पर्व भगवान कृष्ण और राधा के दिव्य प्रेम और उनके आपसी समर्पण का प्रतीक है।

हरियाणा को राजस्थान से जोड़ने वाली सड़क होगी चकाचकः सुमित्रा पूनिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहल

- सडक़ मार्ग को सुधारने का काम शुरू होने पर प्रदेश के सीएम नायब सैनी व पूर्व मंत्री दलाल का आभार जताया

झुंपा गांव के समीप हरियाणा को राजस्थान से जोड़ने वाले सड़क मार्ग की खस्ताहाल से हो रही आमजन की परेशानी को प्रदेश सरकार ने गंभीरता से लिया है। राजगढ की भाजपा नेत्री सुमित्रा पूनिया ने प्रदेश के सीएम नायब सैनी व पूर्व मंत्री जेपी दलाल को इस बारे में पत्र लिखकर अवगत कराया तो प्रदेश सरकार ने तुरंत प्रभाव से संज्ञान लिया।

रविवार से इस मार्ग को सुधारने का काम रविवार से शुरू कर दिया। भाजपा नेत्री सुमित्रा पूनिया ने सडक़ मार्ग को सुधारने का काम शुरू होने पर प्रदेश के सीएम नायब सैनी व पूर्व मंत्री जेपी दलाल का आभार जताया है। बता दें कि राजगढ से हिसार (राष्ट्रीय राजमार्ग 52) मार्ग पर झुंपा गांव से नांगल को जाने वाले लिंक मार्ग की हालत पिछले काफी दिनों से खराब थी। पूरे मार्ग पर कंकरीट निकला हुआ था और कई जगह पर गड्ढे बने हुए थे। इस मार्ग की खराब हालत से राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़े करीब 40 गांव सीधे तौर पर प्रभावित हो रहे थे। लोगों को आने जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। चूंकि यह क्षेत्र हरियाणा का था इसलिए राजगढ से पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रत्याशी रही सुमित्रा पूनिया ने सीएम नायब सैनी व पूर्व मंत्री जेपी दलाल को पत्र लिखकर इस मार्ग को सुधारने की अपील की।

प्रदेश सरकार ने भाजपा नेत्री की मांग को गंभीरता से लिया और संबंधित अधिकारियों को इस बारे में आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

कंवर साहेब महाराज ने प्रवचनों से साध संगत को किया निहाल

जहां नियमों की पालना होती, वहीं मर्यादाएं जिंदा रहती

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

जहां नियमों की पालना होती है,मर्यादाएं होती हैं वहां सुख ही सुख होता है। सत्संग आपको प्रभु की मर्यादाओं और नियमों में बांधता है। समय बड़ा अनमोल है ये लौट कर नहीं आता इसलिए पल पल की संभाल करो और संतो का सत्संग कमाओ। यह सत्संग वचन परमसंत सतगुरु कंवर साहेब महाराज ने भादरा के राजगढ़ रोड पर स्थित राधास्वामी आश्रम में प्रकट की। हुजूर कंवर साहेब ने फरमाया कि जब तक काया आपका साथ दे तब तक केवल परमात्मा के भजन में रहो। आप इस जगत में एक मुसाफिर की भांति आए हो। ऐसे मुसाफिर जो बहुत बड़ा धन लेकर व्यापार करने आया है। अब ये हमारे ऊपर निर्भर करता है कि हम सांस रूपी धन से कैसा सौदा करते हैं। जो विवेकी हैं वो सौदा राम नाम का करते हैं।

उन्होंने कहा कि नाम सब चीजों को पवित्र करने वाला है इसलिए उठते बैठते सोते जागते नाम को याद करो। नाम चेतना जागृत करता है। कोई आपका नाम ले तो आप सोए हुए भी तुरंत उठ कर देखोगे कि

किसने पुकारा है तो सोचो जब आप परमात्मा का नाम पुकारोगे तो क्या वो नहीं देखेगा कि किसने उसे याद किया है। उन्होंने कहा कि लग्न लगे बिना सफलता नहीं मिलती। हुजूर महाराज ने कहा कि हम अनेक बंधनों में बंधे हुए हैं। जीव की आंखों पर पट्टी बंध जाती है। ये पट्टी संतो के बार बार चेतावनी से भी नहीं खुलती। संतो की शरण लेकर भी यदि हम पापों से नहीं छूट पाते तो ये आत्मघात है।

अपनी संतान को उत्तम शिक्षा दो

गुरु महाराज ने फरमाया कि हमने जीवन को लगाना तो था प्रभु की भक्ति में लेकिन लगा दिया विषयों को कमाने में। एक एक सांस की कीमत लाख लाख लाल के बराबर है। जब काल लेने आयेगा तब ना धन काम आयेगा ना बल ना चतुराई ना चालाकी। फिर किस लिए पाप कमाना। गुरु महाराज ने कहा सुमिरन भजन और ध्यान से संतो का वचन पकता है। उनकी की कमाई का पवित्र अंश जब आपको मिलता है तो आपका कल्याण हो जाता है। संत परमात्मा की रजा में राजी रहते हैं। वे हमेशा प्रभु का शुक्राना करते हैं। परमात्मा सबकी सुनता है। उसकी लाख करोड़ आंखे हैं इसलिए इस गफलत में मत रहना की तुम्हारे किए पर किसी की नजर नहीं है। गुरु महाराज ने कहा कि संतो के दर्शन करके उनके वचनों को सुनना चाहिए। सुने हुए वचनों का बार बार चिंतन मनन करना चाहिए। गुरु महाराज ने फरमाया कि आज की पीढ़ी नशे में अपना जीवन बर्बाद कर रही है इस और ध्यान देने की जरूरत है। अपनी संतान को उत्तम शिक्षा दो। बार बार उन्हें अच्छे और बुरे का अंतर बताओ।

स्वतंत्रता सेनानी रामस्वरूप को किया नमन, दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

- नन्हे मुन्नों के बीच स्वेटरों सहित प्रसाद आदि का वितरण किया

अटेला नयां स्थित स्वतंत्रता सेनानी रामस्वरूप राजकीय प्राथमिक पाठशाला परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया। आयोजन के तहत विद्यालय में पढ़ने वाले नन्हे मुन्नों के बीच स्वेटरों सहित प्रसाद आदि का वितरण किया। स्वतंत्रता सेनानी राम स्वरूप की स्मृति में उनकी 27वीं पुण्यतिथि पर उनके परिजनों द्वारा वितरण किया। इसके साथ ही गांव में बने स्मारक स्थल पर पहुंचकर उन्हें नमन करते हुए सभी को देश रक्षा के लिए आगे आने का आह्वान किया।

उनके परिजनों ने बताया कि दिवंगत रामस्वरूप ने देश की आजादी के लिए स्वतंत्रता संग्राम के दौरान अहम योगदान दिया था। आजादी की लड़ाई में क्षेत्र से जो भी स्वतंत्रता सेनानी उस समय लड़े व जिन्होंने संघर्ष किया, उनमें उनका नाम काफी अहम रहा है। उनके बलिदानों व संघर्षों के चलते ही प्रदेश सरकार द्वारा भी उन्हें सम्मान देने हुए राजकीय प्राथमिक पाठशाला का नामकरण उनके नाम पर किया, जिससे कि स्कूल में अध्ययन करने वाले बच्चें उनके संघर्ष व बलिदान को जाने।

वह मन ही मन पछताने लगा, 'काश उसने मास्टर प्रीतम पाल की डांट और मार खा ली होती, तो वे उसे इतना योग्य ज़रूर बना देते कि उसे गणित को लेकर जीवन में मार नहीं खानी पड़ती।' अपने गणित अध्यापक के खिलाफ किए गए षड्यंत्र को याद कर उसकी आंखें भर आईं। उसे लगा कि यह उन्हीं का श्राप है, जिसने आज उन्हें इस चौराहे पर लाकर खड़ा कर दिया है। उसका मन हुआ कि वह अपने गुरु प्रीतम पाल के पास जाकर उनके पैरों में गिर जाए और माफ़ी मांगे।

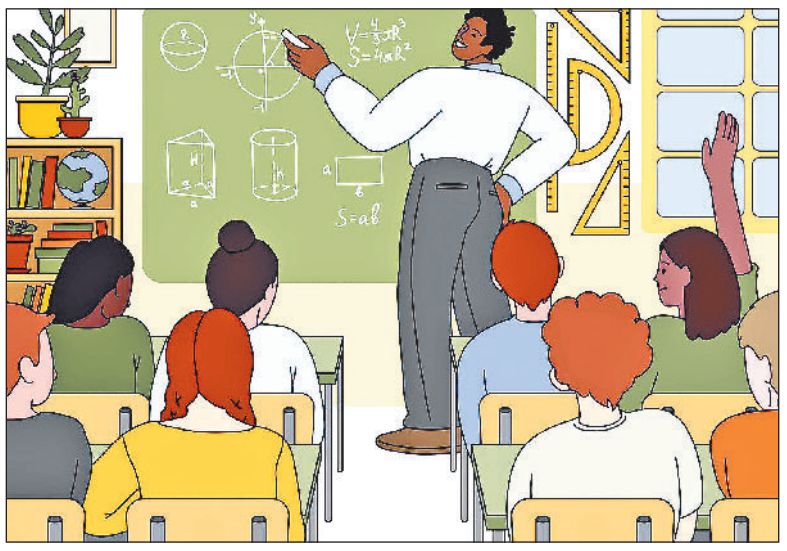

कहानी

मधुकांत

बहुत याद आए मास्टर प्रीतम पाल

अचानक रंजन को प्रिंसिपल के कमरे में बुलाया गया। वहां अपने चाचा को बैठा देख वह चौंक गया। किसी ने कुछ नहीं बताया, बस चाचा उसे अपने साथ घर ले आए। वह हैरान-परेशान था कि कोई उसे कुछ बता क्यों नहीं रहा। घर पहुंचने पर उसे पता चला कि उसके पिता गुलाब राय का हार्ट अटैक से निधन हो गया है। एक पल में सब कुछ बिखर गया। मां उससे लिपटकर रोने लगीं। अब शोरूम कैसे चलेगा? यह सवाल सामने था।

रंजन का स्कूल जाना मुमकिन नहीं था, इसलिए उसने पढ़ाई छोड़कर दुकान पर जाना शुरू कर दिया। वह मुनीम जी और कारीगर के साथ मिलकर काम करने लगा, पर गणित में कमजोर होने के कारण वह हिसाब-किताब नहीं समझ पाता था। मुनीम बहुत चालाक था। वह रंजन के सभी काम करता और धीरे-धीरे उसे शराब पीने की आदत भी डाल दी। गांव के लोग पापा पर बहुत भरोसा करते थे। वे अपनी फसल बेचकर सारी रकम उनके पास जमा कर जाते, ताकि शादी-ब्याह में गहने और कपड़े आसानी से खरीद सकें। रंजन ने इस बात पर कभी ध्यान नहीं दिया और न ही मुनीम ने उसे समझने दिया। वह आधी-अधूरी बैलेंस शीट देखकर खुश हो जाता, क्योंकि देनदारी वाला पक्ष उसे कभी दिखाया ही नहीं गया था। गणित से पैदाइशी नफरत होने के कारण वह कभी हिसाब देखता ही नहीं था, जो मुनीम बताता, वही सच मान लेता। शोरूम बनाते समय पापा ने बैंक से 50 लाख का लोन लिया था। पापा के जाने के बाद उसकी कोई किस्त जमा नहीं हुई। जब बैंक का कोर्ट नोटिस आया, तो घर में हड़कंप मच गया। दुकान में माल कम था, बाज़ार की देनदारी अलग और ऊपर से बैंक का नोटिस। रंजन पूरी रात मां के साथ चिंता में डूबा रहा। मुनीम और कारीगर भी कई दिनों से दुकान पर नहीं आ रहे थे। उसे पछतावा हुआ, 'काश उसने शुरू से हिसाब देखना शुरू कर दिया होता।' लेकिन देखता कैसे, उसे तो हिसाब का 'जमा घटा' भी नहीं आता था।

वह मन ही मन पछताने लगा, 'काश उसने मास्टर प्रीतम पाल जी की डांट और मार खा ली होती, तो वे उसे इतना योग्य ज़रूर बना देते कि उसे गणित को लेकर जीवन में मार नहीं खानी पड़ती।' अपने गणित अध्यापक के खिलाफ किए गए षड्यंत्र को याद कर उसकी आंखें भर आईं। उसे लगा कि यह उन्हीं का श्राप है, जिसने आज उन्हें इस चौराहे पर लाकर खड़ा कर दिया है। उसका मन हुआ कि वह अपने गुरु प्रीतम पाल के पास जाकर उनके पैरों में गिर जाए और माफ़ी मांगे। पूरी रात वह रोता हुआ पश्चाताप की आग में जलता रहा। उसे अच्छी तरह याद है, जब उसके पापा गांव से शहर में आकर कारोबार बढ़ाने लगे थे। पापा की गांव में बहुत इज्जत थी। वे गहने बनवाने के लिए शहर के अपने भरोसेमंद कारीगर राजू के पास जाते थे। राजू एक बंगाली कारीगर था। दोनों साथ बैठकर बातें करते, खाना खाते और सुख-दुःख बांटते। गांव जाने के झंझट से बचने के लिए रिश्तेदारों ने भी पापा से राजू की दुकान पर मिलना शुरू कर दिया। पापा ने सोने-चांदी के छोटे आइटम वहीं रखने शुरू कर दिए, और उनकी बिक्री भी वहीं होने लगी। एक दिन दोनों ने साझेदारी में काम करने का फैसला किया। पापा का पैसा और इज्जत, और राजू की कारीगरी मिलकर काम चल निकला। धीरे-धीरे वह राजू की दुकान नहीं, बल्कि गुलाब राय सराफ की दुकान बन गई। काम इतना बढ़ गया कि पापा कई-कई दिन गांव में नहीं जा पाते। यह देखते हुए उन्होंने शहर में किराए का मकान ले लिया और रंजन का दाखिला भी शहर के स्कूल में करवा दिया। कुछ समय बाद पापा ने गांव की ज़मीन बेचकर शहर में एक मकान खरीद लिया। पापा के साथ काम करने वाले राजू कारीगर को शराब की लत थी, और वह अपनी कमाई इसी में बर्बाद कर देता था। पापा के समझाने पर भी वह नहीं मानता था। धीरे-धीरे दोनों के बीच छोटी-छोटी बातों पर मतभेद होने लगे। खरीदे हुए मकान को तोड़कर पापा ने उसका नया निर्माण करवाया। पहली मंजिल में शोरूम और दूसरी मंजिल में रहने के लिए घर बनाया गया।

हमारी छोटी सी दुकान अब गुलाब राय एंड संस के शोरूम में बदल गई। राजू कारीगर अपनी पुरानी दुकान पर ही काम करने लगा। उन्हीं दिनों रंजन दसवीं कक्षा में पढ़ता था। वह पढ़ाई में बहुत कमजोर था। बाकी विषयों में तो काम चल जाता, पर गणित की घंटी आते ही उसका सिर दर्द होने लगता। गणित के अध्यापक थे प्रीतम पाल। वे अपने विषय के प्रति समर्पित थे। उनकी कक्षा में कोई छात्र अनुपस्थित नहीं होता था। वे कमजोर छात्रों पर विशेष ध्यान देते थे। वे ज्यादा सज़ा नहीं देते थे, फिर भी हर छात्र उनसे डरता था। इसलिए छात्रों ने उनका नाम मास्टर पीटर पाल रख दिया था। प्रीतम पाल रोज़ होमवर्क चेक करते। जो छात्र एक दिन काम नहीं कर पाता, उसे अगले दिन दो दिन का काम करना पड़ता।

कई बार छात्र दूसरे विषयों की घंटियों में भी उनका होमवर्क करते रहते थे। वे घर पर ट्यूशन नहीं पढ़ाते थे। परीक्षा के पास स्कूल में ही बिना फीस के एक्स्ट्रा क्लास लगाते इसलिए सभी अभिभावक उनका बहुत आदर करते थे। मास्टर पीटर पाल नकल के सख्त दुश्मन थे। जिस कमरे में उनकी ड्यूटी लगती, छात्र माथा पीट लेते। कोई भी छात्र नकल करते पकड़ा जाता, तो वे उसका उत्तर काट देते थे, साथ ही उसे भी सज़ा देते थे जिसने नकल करवाई। वे हर छात्र को जानते थे। किसी कमजोर छात्र के अधिक अंक आते तो वे उसे ब्लैकबोर्ड पर सवाल हल करने को कहते। यदि वह हल नहीं कर पाता, तो स्पष्ट हो जाता कि उसने नकल की है और वे उस उत्तर को काट देते थे। इसलिए घरेलू परीक्षाओं में उनके विषय का परिणाम बहुत कम आता, लेकिन बोर्ड परीक्षा में उनका परिणाम हमेशा सबसे अच्छा रहता था। रंजन रोज़ किसी न किसी बात पर उनकी पकड़ में आ जाता। या तो होमवर्क न करने पर, यदि वह किसी की कॉपी से होमवर्क टीप भी लेता, तो उसे ब्लैकबोर्ड पर सवाल हल करने को कहा जाता। परीक्षाओं में उसके कम अंक आते तो पापा प्यार से समझाते, 'देख बेटा रंजन, तू हमारा इकलौता लड़का है। अगर तू ठीक से पढ़-लिख नहीं पाएगा, तो इस व्यापार को कैसे संभालेगा?' रंजन कहता, 'आप चिंता न करें, समय आने पर मैं सब संभाल लूँगा। अभी तो मेरी खाने-पीने और खेलने की उम्र है।' पापा समझाते, 'समय का भरोसा नहीं, कब अचानक आ जाए और कब हाथ से निकल जाए। बेटे, एक बात अच्छी तरह समझ ले, जो बच्चा विद्यार्थी जीवन में कठोर परिश्रम कर लेता है, उसका भविष्य सुधर जाता है और जो मौज-मस्ती में रहता है, उसका भविष्य अंधकार में डूब जाता है।' ऐसे कठिन समय में माँ बीच में आकर उसका बचाव कर लेतीं, 'बच्चा है अभी। समय आने पर सब समझ जाएगा।' और वह हँसता-कूदता खेलने निकल जाता।

तीनों ने एक-दूसरे के साथ हाथ मिलाकर 'ऑपरेशन पीटर पाल' की योजना बनाई। प्रीतम पाल अपने अनुशासन और सख्ती के लिए जाने जाते थे। एक दिन जॉनी ने जानबूझकर होमवर्क नहीं किया। जब मास्टर पीटर पाल ने उसकी कमर पर हाथ से ज़ोर का थप्पड़ लगाया, तो वह बेहोश होकर बेंचों के बीच गिर गया। यह देखकर प्रीतम पाल भी घबरा गए। आसपास की कक्षाओं के अध्यापक भी वहां आ गए। जब अध्यापक विद्यार्थी को संभालने लगे, तो रंजन और सोनी ने बाहर आकर शोर मचा दिया।

पापा की बातें उन दिनों अच्छी नहीं लगती थीं। काश उसने उन दिनों पापा की बातों को समझ लिया होता। प्रीतम पाल रंजन के पापा को अच्छी तरह जानते थे, इसलिए भी वह उसका विशेष ध्यान रखते थे। वे कहते, 'अरे रंजन, तेरे पापा जी का इतना बड़ा व्यवसाय है। अगर तू गणित नहीं सीख पाया तो अपने कारोबार को कैसे संभालेगा?' अंदर ही अंदर रंजन बुदबुदाता, 'हिसाब तो हमारे मुनीम जी करते हैं। बाकी पैसों का लेन-देन तो मैं कर ही लूँगा', और मास्टर पीटर पाल से पीछा छूटने का इंतजार करता। समान स्वभाव वाले छात्रों में गहरी दोस्ती हो जाती है। रंजन, सोनी, और जॉनी एक ही थैली के चट्टे-बट्टे थे। गणित में तीनों का अंडा गोल था। तीनों रोज़ भगवान से दुआ करते, 'हे भगवान, मास्टर पीटर पाल को ज्वर चढ़ जाए, उनकी टांग टूट जाए या उनका तबादला हो जाए।' लेकिन भगवान ने उनकी प्रार्थना कभी नहीं सुनी।

"यार, कुछ न कुछ तो करना ही पड़ेगा," सोनी ने कहा।"बात तो ठीक है, रंजन। इस काम को तू ही कर सकता है।"

"सोनी, मैं नहीं कर सकता क्योंकि मास्टर जी मेरे पापा को अच्छी तरह जानते हैं।"

"तो जॉनी, तुम करो। बस एक बार बेहोश होकर कक्षा में गिर जाना। फिर सारे स्कूल में हंगामा हम कर देंगे।"

"ठीक है, मैं ही बकरा बनूँगा, पर कोई गड़बड़ हो तो तुम सब संभाल लेना।"

"तू चिंता मत कर," तीनों ने एक-दूसरे के साथ हाथ मिलाकर 'ऑपरेशन पीटर पाल' की योजना बनाई। प्रीतम पाल अपने अनुशासन और सख्ती के लिए जाने जाते थे। एक दिन जॉनी ने जानबूझकर होमवर्क नहीं किया। जब मास्टर पीटर पाल ने उसकी कमर पर हाथ से ज़ोर का थप्पड़ लगाया, तो वह बेहोश होकर बेंचों के बीच गिर गया। यह देखकर प्रीतम पाल भी घबरा गए। आसपास की कक्षाओं के अध्यापक भी वहां आ गए। जब अध्यापक विद्यार्थी को संभालने लगे, तो रंजन और सोनी ने बाहर आकर शोर मचा दिया, 'मास्टर प्रीतम पाल की पिटाई से जॉनी बेहोश हो गया!' स्कूल में अफरा-तफरी मच गई। प्रीतम पाल से ईर्ष्या करने वाले अध्यापक और उनसे सताए गए छात्रों ने मिलकर हंगामा कर दिया। कुछ अभिभावक भी स्कूल में घुस आए। प्रिंसिपल के हाथ से व्यवस्था बाहर हो गई, तो उन्होंने पुलिस को फोन कर दिया। पुलिस ने आकर मामला संभाला। जॉनी को अस्पताल भेजा गया और मास्टर प्रीतम पाल को पुलिस की गाड़ी में बिठाकर उनके घर भेज दिया गया।

शिक्षा विभाग में प्रीतम पाल की बड़ी इज्जत थी, इसलिए उन पर कोई खास कार्रवाई तो नहीं हुई, पर सज़ा के रूप में उनका तबादला कर दिया गया। सबसे ज़्यादा खुशी रंजन और उसके दोस्तों को हुई। उसी दिन से वह भूल गया कि उसे गणित की परीक्षा भी देनी है। आज जब सब कुछ बर्बाद हो गया, तब उसे गणित के महत्व का पता चला। अपनी गलतियों को याद करके वह फूट-फूट कर रोने लगा। माँ ने उसके आँसू पोंछे, तो वह फफक पड़ा, "माँ, हमने अपने गणित के अध्यापक प्रीतम पाल के साथ जो दुर्व्यवहार किया था, यह सब उसी का नतीजा है।"

"बेटे, जो समय हाथ से निकल गया, उस पर पछतावा करने से क्या फायदा? तेरे पापा भी तुझे मेहनत करने को कहते थे, तो मैं तुम्हारा गलत साथ देती थी। इसमें मेरा भी दोष है। खैर, बेटा, अब हम दोनों मिलकर मेहनत करेंगे और सब ठीक कर लेंगे।"अगले दिन माँ ने गुलाब राय के एक पुराने मित्र को बुलाया। उन्होंने दुकान के हिसाब की जाँच की और बताया, "भाभी, मुनीम और कारीगर ने मिलकर सब धोखा किया है। बेटे रंजन, फिलहाल मैं अपनी दुकान से एक कारीगर भेज देता हूँ। आखिर काम तो तुम्हें ही संभालना पड़ेगा। अभी तो मैं भी हर महीने आकर हिसाब चेक कर जाऊँगा।"

मां ने दुकान की इज्जत बचाने के लिए अपने सभी गहने निकाल कर दे दिए। दुकान की साख बच गई। रंजन ने एक पुराने ग्रुप फोटो से काटकर अपने गणित अध्यापक प्रीतम पाल का चित्र अपने पूजा घर में रख लिया और उसी दिन से दुकान का सारा हिसाब खुद करने लगा।

लघुकथा

डॉ. अंजना गर्ग

घर का भोज

घुमंतू आज फिर पुराने परिचय की गली में जा पहुँचा। सुमन की मुस्कुराहट अब भी वही थी, पर आँगन की रंगत और आत्मा जैसे फीकी पड़ गई थी।

'अरे घुमंतू भैया! आओ, देखो जरा आजकल की मेरी सफाई मुहिम कैसी चल रही है!'

सुमन ने जैसे स्वागत नहीं, एक समय के युगांत का मंजर दिखाया हो। बरामदे में ढेर सारी क्रॉकरी, चीनी मिट्टी के प्लेट, बेल्जियम के गिलास, तांबे की थालियाँ, चुपचाप अंतिम विदाई के इंतजार में थीं।

'इतना सब बाहर क्यों रख रखा है?'

घुमंतू ने पूछा तो सुमन की आवाज में एक थकी हुई मुस्कान तैर गई।

'अब किसके लिए रखूं? कौन आता है अब घर? जो भी आता है, होटल में ही ले जाते हैं। पहले लोग कहते थे – 'आपके घर जैसा खाना कहीं नहीं मिला', अब मेहमान के आते ही पूछते हैं – 'किस होटल में चलें?' अब घर का भोज बोझ लगता है।'

घुमंतू चुप रहा। भीतर जाकर देखा, पुराने भारी पतीले, देगचियाँ, पूड़ियों के लिए बड़ी कढ़ाही, यहाँ तक कि अचार डालने वाले मटके भी कोने में सिसक रहे थे।

'इनका क्या कर रही हो?'

'दे रही हूँ कामवालियों को। अब ना कोई कथा होती है, ना कीर्तन, ना तीज, ना त्योहार। न कोई बिरादरी का भोज, न रसोई की रौनक। अब हर उत्सव फार्महाउस में, हर रस्म होटल में।'

घुमंतू की आंखों के सामने एक दृश्य तैर गया- चूल्हे पर चढ़ी खीर, पिछवाड़े में सूखते पापड़, और गेट पर खड़ी अम्मा कहती,

'ठहरो बेटा, पहले कुछ खा लो।' अब कोई नहीं कहता।

कविता

मनोज कुमार वशिष्ठ

बचपन

कितना अबोध होता है बचपन
कोमल सा, निर्मल सा
बेरंग पावन जल सा
अबोध सा, अन्जान सा
बचपन होता है निश्छल सा
कितना अबोध होता है बचपन ?

कितना सुन्दर होता है बचपन
जैसे हो पुष्पों का उपवन
व्योमपुंज हो उठता कम्पित
जब करता है ये क्रन्दन
कितना अबोध होता है बचपन ?

बचपन में होती है कितनी मधुरता
जब सावन में वर्षा का पानी बरसता
मन कागज की नाव पर सवार
कल्पित संसार को करता पार
कितना अबोध होता है बचपन ?

कैसा अद्भुत होता है बचपन
ना कपट, ना उलझन
भ्रष्ट राजनीति के जग में नहीं
प्रकृति के साथ खेलता हुआ
कितना अबोध होता है बचपन ?

उर नर-निर्माता के सिंहासन पर
अगर उसकी जगह रमैश होता
इस जग में बच्चों की भांति
हर जन को अबोध बना देता
कितना अबोध होता है बचपन ?

कविता

राज ख्यालिया

भोलेनाथ शरण में आए

भोलेनाथ शरण में आए,
मन की पीड़ा हरने वाले।
त्रिपुरारी, नीलकंठ,भोले
तुम बिन कौन सहारे वाले॥

जटाजूट से बहती गंगा,
शशि मुकुट पर दीप जले।
त्रिनयन में तेज समाया,
हर अंधियारा क्षण में पले॥
स्मरण करूँ मैं नाम तुम्हारा,
हर साँस बने उजियारा॥

डमरू की वो धुन सुहानी,
बजती अंतरमन में मेरे।
भस्म रमाये तन पे जो,
वो सत्य बसे हैं हृदय में मेरे॥
नंदी की गूंज बुलाती,
भोले अब देर न कीजे॥

काल भी डरे जिनके आगे,
मृत्यु भी जिनसे घबराए।
विष पिया, सृष्टि को बचाया,
करुणा का अमृत लुटाए॥
तेरे चरणों में ही जीवन,
तुझ बिन सब शून्य हो जाये॥

भोलेनाथ शरण में आए,
मन की पीड़ा हरने वाले।
त्रिपुरारी, नीलकंठ भोले
तुम बिन कौन सहारे वाले॥

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

साहित्यकार राजपाल यादव का कहना है कि लेखकों को राष्ट्रवाद को मज़बूत करने, देश की अस्मिता व गौरव को क़ायम रखने के लिए निर्भीकतापूर्वक कलम चलानी होगी। इसके लिए आपसी ईर्ष्या, जातिवाद और भाई भतीजावाद को छोड़कर कंधे से कंधा मिलाकर देशहित में काम करने की आवश्यकता है। वहीं, युवा पीढ़ी को साहित्य के प्रति प्रेरित करके उन्हें अपनी संस्कृति से जुड़े रहने का संदेश देना होगा।

साक्षात्कार

ओ.पी. पाल

साहित्य सृजन से मातृ भाषा की सच्ची सेवा संभव : राजपाल यादव 'राज'

साहित्य के क्षेत्र में लेखन करने वाले साहित्यकार विभिन्न विधाओं में साहित्य संवर्धन करके समाज, संस्कृति और सभ्यता को जीवंत रखने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे ही रचनाकारों में एक हैं हरियाणा के राजपाल यादव, जिन्होंने सरकारी नौकरी के दौरान दूसरे प्रदेशों में रहते हुए भी अपनी काव्य साधना से देशभर में हरियाणा राज्य का नाम गौरवान्वित किया है। उन्होंने साहित्य साधना के दौरान हिंदी भाषा के प्रसार-प्रचार के लिए एक अनूठे हिंदी सेवा रचनाकार के रुप में पहचान बनाई है और सेवानिवृत्ति के बाद भी साहित्य सृजन में जुटे हुए हैं। हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में उन्होंने अपने साहित्यक सफर के बारे में कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर किया है, जिसमें साहित्य सृजन के माध्यम से मातृभाषा की सच्ची सेवा करना संभव है।

हरियाणा के वरिष्ठ कवि एवं साहित्यकार राजपाल यादव का जन्म 19 फरवरी 1960 को रेवाड़ी जिले के नाहड़ खण्ड क्षेत्र के गांव जुड्डी में एक किसान परिवार में प्रभाती देवी तथा पिता रिसाल सिंह के घर में हुआ। उनके परिवार में कोई साहित्यिक माहौल नहीं था और न ही परिवार में कोई साहित्यिक रुचि वाला सदस्य रहा, लेकिन उनके पिता गांव के सबसे शिक्षित पुरुषों में शामिल थे, जिनके गुण उनमें आना स्वाभाविक था। उनके पिता भारतीय सेना की एजुकेशन कोर में अधिकारी रहे। उनका बचपन गांव में ही बीता और प्रारंभिक शिक्षा गाँव में ही हुई और बाद में वह पिता की पोस्टिंग स्थल नसीराबाद, दिल्ली, झाँसी और जोधपुर भी रहे। इनकी स्कूली शिक्षा नसीराबाद व झाँसी में हुई, फिर उन्होंने उच्च शिक्षा महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक तथा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से हासिल की। जबकि स्नातकोत्तर की डिग्री उदयपुर विश्वविद्यालय राजस्थान प्रथम श्रेणी में हासिल की और कॉलेज/ यूनिवर्सिटी में द्वितीय स्थान पर रहे। बकौल राजपाल यादव राज, उनके साहित्यिक सफ़र की शुरुआत कॉलेज के ज़माने में ही हो गई थी, जब उन्होंने दो कहानियाँ 'बड़ी बहू' और 'मंझली बहू' शीर्षक से लिखी, जो कॉलेज की वार्षिक पत्रिका में प्रकाशित हुई। इससे उनका लेखन के प्रति आत्मविश्वास बढ़ना स्वाभाविक था। सरकारी सेवा में आने के बाद उनके साहित्य सफर में नया मोड़ उस समय आया, जबकि कारगिल युद्ध के दौरान उनकी पोस्टिंग धनबाद (झारखंड) में थी। उन्होंने उस समय ओज की रचनाएँ लिखीं, जो स्थानीय समाचार पत्रों में प्रमुखता से छपती थीं। उसके बाद ही वर्ष 2001 में उनका प्रथम काव्य संग्रह 'आँच न आने देंगे' प्रकाशित हुआ। धनबाद में सरकारी महारत्न संस्थान कोल इंडिया लि. की अनुसंगी कंपनी भारत कोकिंग कोल लि. के महाप्रबंधक (कार्मिक एवं राजभाषा) के पद पर रहते हुए उन्होंने सरकारी विभागों व कंपनी की सरकारी पत्रिकाओं के संपादन का दायित्व निभाया तथा हिंदी सप्ताह व पखवाड़े से जुड़े कार्यक्रमों का जीवंत संयोजन किया। वहीं उन्होंने सैकड़ों सरकारी हिंदी कार्यशालाओं में व्याख्यान व प्रशिक्षण दिया है। वह कवि सम्मेलनों का संचालन व अध्यक्षता करते हुए अनेक साहित्यिक संस्थाओं से भी जुड़े हैं। वह गद्य और पद्य की सभी विधाओं में लेखन करते आ रहे हैं यानी गीत ग़ज़ल दोहे मुक्तक माहिया छंद हाइकु हास्य-व्यंग्य लघुकथा आदि विधाओं में साहित्य साधना करते आ रहे हैं। उनका वीर रस की रचनाओं पर अधिक फोकस रहता है। वहीं हरियाणवी भाषा में भी उन्होंने कई गीत, दोहे, मुक्तक आदि विधाओं में रचनाएं लिखी हैं और हरियाणा सरकार की साहित्यिक पत्रिका हरिगंधा में उनके दोहे और हरियाणवी रचनाएं प्रकाशित हुई हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्होंने हिंदी सचिवालय मारीशस, आबू धाबी दुबई तथा यूएसए में कई बार काव्य पाठ किया और सम्मान हासिल किया। वरिष्ठ कवि एवं साहित्यकार राजपाल यादव 'राज' का आधुनिक युग में साहित्य के क्षेत्र में आ रही चुनौतियों को लेकर कहना है कि आज साहित्य दोराहे पर खड़ा है, जहाँ एक तरफ़ प्रिंट मीडिया, तो दूसरी ओर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया है। वहीं इस इंटरनेट व डिजिटल युग में पत्र-पत्रिकाओं को पढ़ने वाले पाठक कम हो रहे हैं, किंतु साहित्य आज भी सामाजिक जागरूकता पैदा करने कुरीतियां समाप्त करने और निरंकुश होती सत्ता को ललकारने, शोषक का विरोध करने और शोषित को सहारा देने का कार्य कर रहा है।

प्रकाशित पुस्तकें

वरिष्ठ कवि एवं साहित्यकार राजपाल यादव की प्रकाशित पुस्तकों में प्रमुख रुप से काव्य संग्रह-आँच न आने देंगे, आगत का स्वागत, कविताओं में कोल इंडिया और हम, एक और दस्तक, तथा अभी थका नहीं हूँ मैं शामिल हैं। इसके अलावा उनके 32 साझा काव्य संग्रह भी प्रकाशित हुए हैं। काव्य जगत की प्रथम कॉफ़ी टेबल बुक 'शब्दों के सारथी' एवं एक विश्व हाइकु कोश में भी उनकी सहभागिता रही। हरियाणा साहित्य अकादमी की पत्रिका हरिगंधा सहित अनेक पत्र-पत्रिकाओं में समय-समय पर रचनाएँ प्रकाशित हुई हैं।

राजपाल यादव 'राज'

पुरस्कार व सम्मान

राजपाल यादव को हिंदी साहित्य शिखर मानद उपाधि सम्मान, भारतेंदु राजभाषा साहित्य शिरोमणि सम्मान, हिंदी साहित्य भूषण सम्मान, राष्ट्र गौरव साहित्य सम्मान, एकलव्यम साहित्य सम्मान, शान-ए-अदब सम्मान, काव्य श्री सम्मान, हिमालयन रत्न सृजन सम्मान, राष्ट्रीय एकलव्यम गौरव सम्मान, हिमालयन भाषा सारथी सम्मान, वात्सल्य गौरव सम्मान, शब्द सारथी सम्मान, देवप्रभा साहित्य सम्मान, संत तुलसीदास साहित्य सम्मान, संत कबीर सम्मान, शंकर दयाल सिंह प्रतिभा सम्मान एवं साहित्य शिल्पी सम्मान से नवाजा जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : राजपाल यादव 'राज'
जन्मतिथि : 19 फरवरी, 1960
जन्म स्थान : गांव जुड्डी, रेवाड़ी (हरियाणा)
शिक्षा: स्नाकतोत्तर, एलएलबी
संप्रति: लेखक, साहित्यकार, वरिष्ठ कवि एवं सेवानिवृत्त महाप्रबंधक (बीसीसीएल, धनबाद)

'छोटी सी दुनिया' का दायरा बहुत बड़ा

पुस्तक : छोटी सी दुनिया
लेखक : ज्ञान प्रकाश विवेक
मूल्य : 425/-रुपये
प्रकाशक : वाणी प्रकाशन, दिल्ली

पुस्तक समीक्षा

नवरत्न

कुछ किताबें महज़ किताबें ही नहीं होती, वो किताब लगती भर हैं, वो कुछ और होती हैं। जिंदगी या फिर जिंदगी से भी बड़ी..। ज्ञान प्रकाश विवेक के कहानी संग्रह 'छोटी सी दुनिया' में यूं तो बारह कहानियां हैं, लेकिन एक-एक कहानी इतने बड़े स्पेस में कही गई है कि कुछ भी कहते नहीं बनता। यूं कहें कि ये कहानियां बारह दुनियाएं हैं... एक-एक दुनिया.. एकदम जुदा... एक-एक दुनिया एकदम अलहदा। एक और खास बात कि कहानियों का वॉल्यूम बहुत ही डाउन है और बात का वॉल्यूम जितना ही कम होता है, बात उतनी ही गहरे तक जाती है। चीखती, दहाड़ती कहानियों पर तो खूब चीखा दहाड़ा जा सकता है लेकिन यहां तो गहरा मौन और सन्नाटा पसरा पड़ा है। ताज्जुब होता है कि भाषा में मौन को भी कहा जा सकता है। लंबे समय तक एकांत और चुप्पी से ही शायद यह कला विकसित होती होगी। असल में भाषा की भी अपनी सीमाएं हैं। जब बारीक कहना होता है तो शब्द हाथ खड़े कर देते हैं। फिर लेखक निजी अनुभव और प्रतीकों का इस्तेमाल करता है। कहानियों में जगह-जगह प्रतीकात्मकता बिखरी पड़ी है और यही प्रतीकात्मकता कहानियों की ताकत है। मानवीकरण की नाव में प्रतीकों के फूल... पाठक की अंतस चेतना को ऊपर ले आते हैं और वाचाल मन दुम दबाकर भाग जाता है। एक गहरे आत्मावलोकन से गुजर कर पाठक गहरे आत्मालोचन से गुजरता है और यही आत्म आलोचन उसकी आत्मा को संतुष्टि प्रदान करता है। 'खत' कहानी का एक वाकया देखें...

'याद'... जैसे जिंदगी के बंद कमरे में दर्द की अगरबत्ती जल रही हो। मैं बंद कमरे में हूं अकेला ..अकेला और चुप। मैं और मेरे साथ निहत्थी खामोशी। मैं और मेरे साथ मेरी उंगली पड़कर खड़ा मेरा साया, जो दिखाई नहीं देता लेकिन वह है जरूर... मैं उठकर खिड़की तक आया हूं। आसमान खाली है मेरी तरह। वक्त की खुदगर्ज चील उड़ कर जा रही है। उसकी चोंच में फड़फड़ाता लम्हा होगा! किसी जिंदा परिंदे जैसा। आसमान का चेहरा और मेरा चेहरा दोनों एक जैसे नजर आते हैं। शायद आसमान भी उदास है मेरी तरह। ऐसा लगता है वह अपनी किसी कहकशां को ढूंढ रहा है जैसे कि मैं। सुधि पाठकों से विनम्र निवेदन की कहानी पढ़ने में यदि मजा आता है तो ये कहानियां जरूर पढ़ें वरना चूक जाएंगे ....और ज्ञान प्रकाश विवेक के लिए तो दुआ ही कर सकते हैं कि ईश्वर उन्हें स्वस्थ रखें। वाणी प्रकाशन को ढेरों शुभकामनाएं एक बेहतरीन प्रकाशन के लिए ...।

खबर संक्षेप

मनरेगा के अधिकारों के प्रति जागरूकता जरूरी

भिवानी। ग्राम पंचायत ढाणी ब्राह्मणन में शुक्रवार को ग्राम सभा का आयोजन किया, जिसमें वित्तीय वर्ष 2024-2025 के लिए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत हुए कार्यों का सोशल ऑडिट किया। बैठक का उद्देश्य मनरेगा श्रमिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और उनकी मांगों को एजेंडा में शामिल करना था। इस दौरान मजदूरों को उनके हक से अवगत करवाया। बैठक में ब्लॉक रिसोर्सपर्सन (बीआरपी) पिंकी और विलेज रिसोर्सपर्सन (वीआरपी) संदीप कुमार ने विशेष रूप से मजदूरों को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी दी।

आरएसएस सरसंघचालक के भाषण की निंदा की

भिवानी। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) जिला कमेटी भिवानी आरएसएस सरसंघचालक मोहन भागवत के भाषण की कड़ी निंदा करती है और उनकी टिप्पणी भारतीय संविधान के प्रति आरएसएस के अनादर को दर्शाती है और देश के कानून का उल्लंघन है। पार्टी जिला सचिव कामरेड ओमप्रकाश ने कहा कि दिल्ली में चुनिंदा श्रोताओं के समक्ष तीन दिवसीय संबोधन में मोहन भागवत ने मथुरा व काशी विवाद को फिर से भड़काने का प्रयास किया। इस कानून के अनुसार बहुसंख्यक सांप्रदायिक ताकतों के दावों के बावजूद मथुरा व काशी दोनों जगहों के साथ-साथ अन्य सभी पूजा स्थलों में यथास्थिति बनाए रखी जानी चाहिए।

नाम सिमरन और कीर्तन समागम का आयोजन

भिवानी। गुरुद्वारा ब्रह्म बुंगा साहिब दोदरा द्वारा दो दिवसीय नाम सिमरन व कीर्तन समागम का आयोजन प्रेक्षा विहार घंटाघर में किया। धार्मिक भावनाओं से परिपूर्ण इस समागम में सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने शामिल होकर भक्तिभाव का परिचय दिया। कार्यक्रम की शुरुआत सिमरन वाहेगुरु गुरुमंत्र से शुरू हुई। उसके बाद आसा दी वार, दिनभर गुरबाणी विचार, रहरास साहिब पाठ और रात्रि कीर्तन का आयोजन किया। विशेष रूप से गुरुद्वारा ब्रह्म बुंगा साहिब किसी साधु, संत या महंत के कब्जे में नहीं है, बल्कि सभी गतिविधियाँ गुरु साहिब की रहमत एवं संगत की सेवा भावना से संचालित होती हैं।

पूर्व मंत्री दलाल ने सुना मन की बात कार्यक्रम

लोहारू। पूर्व कैबिनेट मंत्री जेपी दलाल ने रविवार को अपने लोहारू आवास पर कार्यकर्ताओं के साथ बैठक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की कार्यक्रम का सुना। जेपी दलाल ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री प्रेरणादायक और उत्साहवर्धन वाली बातें बताते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री छोटे-छोटे लोगों व ग्रामीण क्षेत्र की बातों को वह ध्यान में रखते हैं। सारा देश उनकी बातें सुनने के लिए उत्सुक रहता है। पूर्व मंत्री ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि जब भी को चुनाव होता है तो राहुल गांधी बाहर से कंपनी हायर कर लेते हैं। उन्होंने कहा कि वोट चोरी कोई मुद्दा नही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में कहा वोट चोरी हुआ, वोट चोरी होते तो मैं हारता नही।

चिकित्सकों ने मरीजों की जांच कर दिया परामर्श

चरखी दादरी। लोहरवाडा में हर वर्ष गुरू गोरखनाथ धर्मार्थ ट्रस्ट द्वारा वार्षिक धार्मिक आयोजन किया जाता हैं, जिसमें गांव के बाबा सावल नाथ मंदिर परिसर में हवन, यज्ञ, जागरण, भंडारे व निःशुल्क चिकित्सा शिविर प्रधान धर्मवीर इंदौरा की अध्यक्षता में लगाया जाता हैं। बतौर मुख्यतिथि मोनू धनखड़, मनीषा सांगवान प्रतिनिधि सुरेश व समाज सेवी प्रदीप गिल ने शिरकत की। उन्होंने कार्यक्रम का शुभारंभ करवाया व स्मृति चिहन भेंट कर आयोजक समिति व ग्रामीणों ने सम्मानित किया। फूलसिंह फौजी व पवन इंदौरा ने बताया कि जागरण में मनोज अलारिया रोहतक, संतराम हरियाणवी चिमनीवाले, संदीप समसपुरिया, श्याम इंद्रजीत चरखी दादरी सहित अन्य कलाकारों ने बाबा की महिमा का गुणगान किया।

पीएम की मां पर की गई अभद्र टिप्पणी पर राहुल गांधी मांगे माफी : मीना परमार

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

प्रधामंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी महिलाओं के उत्थान एवं कल्याण के लिए अनेक योजनाओं को लागू कर रहे हैं। भाजपा सरकार में महिलाओं को पूरा मान-सम्मान एवं उचित प्रतिनिधित्व दिया जा रहा है। भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी की सदस्य मीना परमार एवं ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कही। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की माता पर अभद्र टिप्पणी करके पूरे भारत देश की महिलाओं का अपमान किया है। इसलिए उन्हें सार्वजनिक रूप से पूरे देश की महिलाओं से माफी मांगनी चाहिए।

खास बातें

- भाजपा महिलाओं के सम्मान में लागू कर रही है अनेक योजनाएं
- लाडो लक्ष्मी योजना महिलाओं के उत्थान में होगी कारगर

राज्य की महिलाओं को 25 सितंबर से हर महीने 2100 रुपए मिलेंगे

बजट में मंजूर हो चुके हैं पांच करोड़

मीना परमार ने कहा कि प्रदेश की नायब सरकार ने जो लाडो लक्ष्मी योजना लागू की है जो महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान में मील का पत्थर साबित होगी। यह योजना दीनदयाल उपाध्याय की जयंती 25 सितंबर से लागू होगी। इसके अंतर्गत राज्य की महिलाओं को 25 सितंबर से हर महीने 2100 रुपए मिलेंगे। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी ने चंडीगढ़ में कैबिनेट मीटिंग के बाद इसका एलान किया है। पिछले बजट में सरकार ने इस योजना को लेकर 5 हजार करोड़ रुपए के बजट को पहले ही मंजूरी दी हुई है।

भिवानी। पत्रकारों से बातचीत करते हुए। फोटो: हरिभूमि

अविवाहिता को भी मिलेगा लाभ

उन्होंने कहा कि 25 सितंबर से वे महिलाएं जिनकी उम्र 23 से 60 वर्ष है चाहे वे विवाहित हों या अविवाहित सभी को इस योजना का लाभ दिया जाएगा। वहीं वे महिलाएं जो पहले से किसी पेंशन योजना का लाभ ले रही हैं उन्हें इस स्कीम का लाभ नहीं दिया मिलेगा। दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के पहले चरण में हमने उन परिवारों को शामिल करने का फैसला लिया है।

संख्या की सीमा नहीं

मीना परमार ने कहा कि आने वाले समय में इस योजना का चरणबद्ध तरीके से विस्तार किया जाएगा, ताकि अधिक आय वर्ग को भी इसमें शामिल किया जा सके। मुख्यमंत्री ने बताया कि 15 वर्षों से हरियाणा का निवासी होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि परिवार में महिला लाभार्थियों की संख्या के लिए कोई सीमा निर्धारित नहीं की गई है और अगर किसी परिवार में तीन पात्र महिलाएं हैं, तो तीनों को इस योजना का लाभ मिलेगा।

श्रीश्याम प्रीत मंडल ट्रस्ट की रामायण-महाभारत परीक्षा का आयोजन

27 स्कूलों के 649 विद्यार्थियों ने दी रामायण-महाभारत प्रश्नोत्तरी परीक्षा

भिवानी। रामायण महाभारत परीक्षा में परीक्षा देते परीक्षार्थी व बच्चों को आशीर्वाद देते महंत वेदनाथ महाराज व रामायण महाभारत परीक्षा के प्रश्न पत्र का विमोचन करते महंत वेदनाथ महाराज व अन्य अतिथि। फोटो: हरिभूमि

परीक्षा का परिणाम 30 सितम्बर को किया जाएगा घोषित: अश्वनी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

लिटिल हार्ट्स पब्लिक स्कूल के प्रांगण में श्रीश्याम प्रीत मंडल ट्रस्ट के तत्वावधान में रविवार को जिला विद्यालय स्तरीय रामायण महाभारत पर आधारित लिखित प्रश्नोत्तरी परीक्षा का आयोजन किया। इस रामायण महाभारत परीक्षा से पहले जोगीवाला शिव मंदिर के महंत वेदनाथ महाराज, ट्रस्ट मुख्य संरक्षक विजय किशन अग्रवाल, नरेश गर्ग ढिगावावाले, विश्व हिन्दू परिषद के जिला अध्यक्ष प्रदीप बंसल, विशाल टेलर्स से प्रवीण कुमार, प्रोफेसर संजय गोयल, लिटिल हार्ट्स के निदेशक डॉ. पवन गोयल, वर्धमान ज्वैलर्स से सचिन जैन, भावना गोयल, परीक्षा केंद्र अधीक्षक जोशी, ट्रस्ट अध्यक्ष मनोज व पुरुषोत्तम दास शर्मा ने प्रश्न पत्र का विमोचन किया। मंहत वेदनाथ महाराज के आशीर्वाद के साथ परीक्षा शुरू करवाई। महंत वेदनाथ ने ट्रस्ट को साधुवाद दिया और कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में धार्मिक विचारों का समावेश करने को ऐसी प्रतियोगिताएं बहुत ही सराहनीय हैं। विहिप जिलाध्यक्ष प्रदीप बंसल ने श्रीश्याम प्रीत मंडल ट्रस्ट परिवार को विद्यार्थियों को अपने महान ग्रंथों रामायण महाभारत के विषय में जानकारी देने का उचित माध्यम बताया। इस आयोजन में अजय गोतम, राजीव, धर्मवीर, आशिष, आशुतोष, पवन मितल, सोनू मितल, आशीष, राजेन्द्र सिंह, संकेत, ललित मामुका आदि ने योगदान दिया।

डेढ़ सौ बहुविकल्पी प्रश्न पूछे

ट्रस्ट के महासचिव अश्विनी कुमार ने बताया कि परीक्षा में जिले के 27 विद्यालयों के लगभग 649 विद्यार्थियों ने परीक्षा में हिस्सा लिया। परीक्षा में प्रश्न पत्र को दो भागों में बांटा गया है। खंड क रामायण व खंड ख महाभारत कुल मिलाकर डेढ़ सौ प्रश्न बहुविकल्पी प्रश्न थे। सभी बच्चों के लिए परीक्षा केंद्र पर ट्रस्ट के द्वारा उपहार, रिफ्रेशमेंट की व्यवस्था भी की गई।

फीस नहीं ली

परीक्षा संयोजक डॉ. नवीन ने बताया कि परीक्षा में प्रत्येक विद्यालय के कक्षा छह से आठवीं तक के अधिकतम 25 विद्यार्थी हिस्सा लिया और किसी विद्यालय व विद्यार्थी से परीक्षा की बाबत किसी प्रकार की कोई फीस या शुल्क नहीं रखा गया है। परीक्षा सहसंयोजक ललित शर्मा मामूका ने बताया कि परीक्षा का परिणाम 30 सितम्बर को घोषित किया जाएगा व इस परीक्षा में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों व विद्यालयों को ट्रस्ट के आगामी विशेष कार्यक्रम में पुरस्कृत कर सम्मानित किया जाएगा।

भिवानी। लोगों को संबोधित करते इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौ. अभय चौटाला।

पूर्व सीएम हुड्डा पर बरसे अभय चौटाला

कांग्रेस ने भाजपा की सरकार बनवाई: अभय

- सबको जानकारी है, कांग्रेस ने भाजपा की सरकार व राज्यसभा सदस्य बनाए : चौटाला

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी पहुंचे इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौ. अभय चौटाला रविवार को फिर पूर्व सीएम भूपेन्द्र हुड्डा पर हमलावर हुए और उन पर भाजपा की सरकार बनाने का आरोप लगाते हुए स्याही कांड की याद दिलाई। साथ ही चुनाव आयोग पर सवाल खड़े कर व 30 दिन की जेल पर कुर्सी जाने वाले बिल को षड्यंत्र बताया। बता दे कि देश के पूर्व उप प्रधानमंत्री स्वर्गीय ताऊ देवीलाल की जयंती पर इनेलो इस बार 25 सितंबर को रोहतक में सम्मान दिवस रैली करने जा रही है। जिसको लेकर इनेलो राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय चौटाला हर हलके का दौरा कर लोगों को निमंत्रण देने पहुँच रहे हैं। इसी कड़ी में रविवार को भिवानी हलके की मीटिंग स्थानीय कोंट रोड स्थित नंद गार्डन में की गई। इस दौरान रैली का निमंत्रण देने अभय चौटाला पहुंचे। इस दौरान उनके साथ इनेलो प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा भी मौजूद रहे। मीटिंग की अध्यक्षता इनेलो भिवानी हलका प्रधान जितेंद्र मिनी गौरीपुर ने की। मीटिंग के बाद मीडिया से रूबरू होते हुए अभय चौटाला हुड्डा पर फिर से हमलावर हुए और कई अन्य मुद्दों पर भी बेबाक़ी से राय रखी।

बड़ा बदलाव होगा

सबसे पहले इनेलो सुप्रीमो अभय चौटाला ने कहा की हरियाणा में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। प्रदेश भर के कार्यकर्ताओं व लोगों में जोश है। क्योंकि लोगों के सामने कांग्रेस की असलियत आ चुकी है कि कैसे कांग्रेस ने भाजपा के राज्यसभा सांसद बनवाए और इस बार हरियाणा में भाजपा की सरकार बनवाई। ऐसे में कांग्रेस की पोल खुल चुकी है। अब चुनाव में हमें छोड़कर जाने वाले लोग भी हमारे साथ रोहतक रैली में साथ आएंगे।

दूसरी और तीसरी के विद्यार्थियों के शिक्षा स्तर को जांचने के लिए बनाई रणनीति

15 व 16 सितंबर को करवाया जाएगा संख्या ज्ञान के स्तर का आकलन

दीपक कुमार डुमड़ा ⏭बवानीखेड़ा

प्रदेश का शिक्षा विभाग समय समय पर शिक्षा स्तर की जांच कर उसे ऊँचाईयों तक ले जाने के लिए भरसक प्रयास करता है और नई नई रणनीतियां बनाकर उसमें सफलता भी हासिल करता है। हालिया नई योजना बनाई गई है जिसमें 15 व 16 सितंबर को राजकीय विद्यालय में पढ़ने वाले दूसरी व तीसरी कक्षा के विद्यार्थियों का संख्या ज्ञान के स्तर पर आंकलन किया जाएगा जिसके तहत खंड स्तर पर खंड शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में एबीआरसी, बीआरपी की ऑन लाइन मीटिंग भी आयोजित हुई।

हिन्दी भाषा के तहत शब्द, वाक्य पर विशेष फोकस बताया जाता है कि 15 व 16 सितंबर को होने वाले आकलन में हिन्दी भाषा इसके तहत शब्द, वाक्य और अनुच्छेद पठन निपुण के अनुसार, संख्या पहचान, जोड़-घटाव निपुण अनुसार होगा। इस कार्यक्रम की जिम्मेदारी अधिकारियों की सौंपी गई है हालांकि इस कार्य को सफल बनाने के लिए दो घंटे का ऑनलाइन प्रशिक्षण भी आयोजित किया जाएगा जिसमें सीआरसी की अध्यक्षता में जेबीटी एवं प्रवक्ता सहित एबीआरसी, बीआरपी भी अपनी अहम भूमिका अदा करेंगे।

संख्या ज्ञान में वास्तविक स्थिति का होगा मूल्यांकन

कार्यकारी खंड शिक्षा अधिकारी आनंद शर्मा ने बताया कि 15 व 16 सितंबर को होने वाले आकलन, जिसमें दूसरी व तीसरी कक्षा के विद्यार्थियों का आकलन होगा और यह सेंसेस बेस्ट ग्रुपिंग एक्सरसाइज के तहत होगा। इसका प्रमुख उद्देश्य आधारभूत साक्षरता एवं संख्याज्ञान में विद्यार्थियों की वास्तविक स्थिति का आकलन करना और हर विद्यार्थी के लिए विद्यालय को उपचारात्मक कदम योजना बनाने में सहयोग प्रदान करना होगा।

एप पर होगा डाटा फीड

प्राचार्या संतोष भाकर ने बताया कि 15 व 16 सितंबर के आकलन में प्रति विषय 5 से 10 मिनट का समय होगा जिसमें आंकड़े निपुण हरियाणा टीचर एप टूल पर दर्ज किए जाएंगे जो कि शिक्षक की सूची से संबंध है। आकलनकर्ता को कक्षा शिक्षक के लॉगिन का उपयोग कर आकलन पूरा करना होगा। इस प्रक्रिया में गणित, विज्ञान, अर्थशास्त्र, वाणिज्य विषय की जिम्मेदारी टीजीटी एवं पीजीटी को दी जाएगी और भाषा आकलन के लिए हिंदी, संस्कृत, उर्दू विषय के लिए टीजीटी, पीजीटी कार्य करेंगे। जिनकी रूपरेखा कलस्टर पर बनाई जाएगी।

40 सरकारी व प्राइवेट स्कूलों ने भाग लिया

साइंस सेमिनार प्रतियोगिता में शिवम स्कूल लोहानी रहा प्रथम

- आधुनिक समय में बढ़ते साइंस के प्रति रुझान में स्नेहा ने भिवानी का नाम ऊंचा किया

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। विजेता प्रतिभागियों के साथ स्कूल प्रबंधन कमेटी के पदाधिकारी।

राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल, भिवानी में शुक्रवार को जिला स्तरीय साइंस सेमिनार व विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता का विषय क्वांटम युग की शुरुआत रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला शिक्षा अधिकारी डॉ निर्मल दहिया ने किया। शिक्षा अधिकारी ने बताया कि भिवानी से लगभग 40 सरकारी व प्राइवेट स्कूलों ने भाग लिया। साइंस सेमिनार प्रतियोगिता में शिवम सीनियर सेकेंडरी स्कूल लोहानी प्रथम स्थान पर रहा।

शिवम स्कूल की छात्रा स्नेहा शर्मा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिला भिवानी का प्रतिनिधित्व करेगी। छात्रा स्नेहा का स्कूल संचालक देवेंद्र तंवर, निशांत तंवर ने प्रार्थना सभा में मंच पर सम्मानित किया। प्राचार्य संजय शर्मा ने बताया कि स्नेहा एक होनहार छात्रा है। पिछली राज्य स्तरीय साइंस सेमिनार प्रतियोगिता में शिवम स्कूल राज्य में प्रथम रहा है। उसी रास्ते पर स्नेहा अपने मजबूत कदम आगे बढ़ा रही है। यह सुन स्नेहा का हौसला बुलंद है।

इस अवसर पर प्रवक्ता युद्धवीर तंवर, नीटू शर्मा, इशिका,रणविजय, प्रवीण,रूबी ने स्नेहा की प्रशंसा की। कार्यक्रम का समापन प्रवक्ता अनिल अरोड़ा, नवल किशोर, पूनम शर्मा, बजरंग तंवर एवं शालिनी का योगदान रहा है।

देश निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता समाज का शिल्पकार शिक्षक: सांसद धर्मबीर

ज्ञान एवं समर्पण से अनगिनत बच्चों के जीवन को आकार देता शिक्षक: डॉ. पवन

शिक्षकों को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन शिक्षक अवॉर्ड से किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

जोहड़ीवाला प्राचीन हनुमान नरसिंह मंदिर में युवा जागृति एवं जनकल्याण मिशन ट्रस्ट के बैनर तले रविवार को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया। इस दौरान 101 गुरुजनों को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन शिक्षक अवॉर्ड से सम्मानित किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यतिथि सांसद धर्मबीर सिंह, हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. पवन कुमार, विशिष्ट अतिथि भाजपा प्रदेश प्रवक्ता नेहा धवन, डिप्टी डीईओ शिवकुमार तंवर, डीएसओ सतेन्द्र सिह, राजेश तलवार व बीके सुमित्रा बहन ने शिरकत की।

भिवानी। नौरंगाबाद राजकीय मिडिल स्कूल के पीटीआई मोतीलाल जांगड़ा को सम्मानित करते अतिथि।

शिक्षक बच्चों का मनोबल भी बढ़ाएं

कार्यक्रम में हनुमान जोहड़ी मंदिर के महंत चरणदास महाराज का सानिध्य रहा। इस दौरान शिक्षा की अलख जगाने के साथ-साथ पर्यावरण व जल संरक्षण, नशा मुक्त भारत, स्वच्छता अभियान व अन्य सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रिय रहने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया। सांसद धर्मबीर सिंह व चेयरमैन डॉ. पवन ने कहा कि अध्यापक समाज का शिल्पकार होता है तथा देश निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को बच्चों को शिक्षित करने के साथ ही उनका मनोबल भी बढ़ाना चाहिए। शिक्षक बच्चों के दिमाग को आकार देने के साथ सपनों को संवारते हैं। शिक्षकों की ही देन है कि युवा आगे चलकर अपने जीवन में सफल होते हैं। हर इंसान के जीवन में शिक्षकों या गुरुओं का बहुत ही योगदान है, क्योंकि अगर शिक्षक नहीं होते तो आने वाली पीढ़ियों को अच्छा ज्ञान नहीं मिल पाता है। महंत चरणदास ने कहा कि शिक्षक वर्तमान पीढ़ी के निर्माण एवं विद्यार्थियों का मार्गदर्शक होता है, जो अपने ज्ञान एवं समर्पण के माध्यम से अनगिनत बच्चों के जीवन को आकार देता है।

बांह पकड़ ले सांवरा, कहीं छूट ना जाऊं...

लोहारू। श्रीश्याम सुंदर ज्योति मंडल के तत्वावधान में बीती सांय रामलीला मैदान में पांचवां श्रीश्याम महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री जेपी दलाल बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। स्वर साम्राज्ञी उमा लहरी ने सुरीली आवाज में भगवान श्रीश्याम का भजनों के माध्यम से गुणगान किया तथा पांडाल में मौजूद हजारों श्रद्धालु भजनों पर झूमे। उमा लहरी का भजन बांह पकड़ ले सांवरा, कहीं छूट ना जाऊं काफी सराहा गया। श्रीश्याम सुंदर ज्योति मंडल के तत्वावधान में आयोजित श्रीश्याम महोत्सव की शुरूआत ज्योति प्रज्ज्वलन के साथ हुई। मुख्यातिथि पूर्व मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति अध्यात्म और संस्कारों का अनूठा मेल हैं। तीज त्योहारों और उत्सवों में देश की संस्कृति की झलक देखी जा सकती है तथा देवी-देवताओं के सम्मान में आयोजित होने वाले अनुष्ठानों में लोगों का उत्साह देखते ही बनता है।

खबर संक्षेप

सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी में गरुड़ सदन प्रथम

चरखी दादरी। मौड़ी स्थित सीबीएस विद्यालय में सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें छात्रों ने अपनी बुद्धिमत्ता एवं ज्ञान का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में चार सदनों ने भाग लिया, जिनमें से गरुड़ सदन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में अंगद सदन ने द्वितीय और अभिमन्यु सदन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बीआर संस्था में अध्यापक अभिभावक सम्मलेन

चरखी दादरी। बीआर शिक्षण संस्था द्वारा संचालित आईपीएस स्कूल में विद्यार्थियों के दूसरे यूनिट टेस्ट के परिणाम की घोषणा के उपलक्ष्य में अध्यापक अभिभावक सम्मलेन का आयोजन किया। सम्मलेन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के परिणामों पर चर्चा करना और उनके अध्ययन के तरीके एवं भविष्य की तैयारी पर अभिभावकों और शिक्षकों के साथ विचार-विमर्श करना था।

विद्यार्थियों को बुड़ानिया ट्रस्ट ने किया सम्मानित

बहल। गांव खापड़बास में बाबा नागा का रात्रि जागरण आयोजित किया गया। इस दौरान गायक कलाकारों ने बाबा नागा की महिमा का गुणगान करते हुए भक्ति भरी रचना पेश की और श्रद्धालुओं को मंत्र मुग्ध किया। इसी कड़ी में अखिल भारतीय बुड़ानिया सेवा ट्रस्ट ने शिक्षा को अग्रणी पंक्ति में देखते हुए एक पहल शुरू की जिसमें गांव खापड़बास के टॉप छात्रों को सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय शिक्षक महोत्सव तीन सितंबर को

भिवानी। नेताजी सुभाषचंद्र बोस युवा जागृत सेवा समिति, शिवशक्ति जनकल्याण सेवा ट्रस्ट एवं सदाचारी शिक्षा समिति के संयुक्त तत्वावधान में 28वां राष्ट्रीय शिक्षक महोत्सव एवं सम्मान समारोह आगामी तीन सितंबर को होगा। कार्यक्रम सिद्धपीठ बाबा जहरगिरी मंदिर आश्रम में सायं तीन बजे से प्रारंभ होगा। श्रीमहंत डॉक्टर अशोक गिरी महाराज एवं जोगीवाला शिव मंदिर के महंत वेदनाथ महाराज का रहेगा।

पार्टी को मजबूत करने और भाजपा के वोट चोरी मामले पर कांग्रेस ने बनाई रणनीति

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

रविवार को जैन चौक स्थित कांग्रेस तिलक भवन में कांग्रेस की जिला स्तरीय बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस के शहरी जिला अध्यक्ष प्रदीप गुलिया जोगी ने की। बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रधान सहित पार्टी के सभी अग्रणीय संगठनों जैसे यूथ कांग्रेस, एनएसयूआई, महिला कांग्रेस, सेवा दल, राजीव गांधी पंचायती राज, कांग्रेस पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ, भूतपूर्व सैनिक प्रकोष्ठ, लीगल सैल और सोशल मीडिया प्रकोष्ठ के नेताओं ने भाग लिया। बैठक में कांग्रेस पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं ने अपने-अपने सुझाव रखे, जिनका मुख्य उद्देश्य पार्टी को बूथ स्तर से और अधिक मजबूत करना था। जोगी ने बताया कि बैठक का एक और महत्वपूर्ण एजेंडा भाजपा के 'वोट चोरी' मामले को जोर-शोर से उठाना था।

खास बातें

- वोट चोरी को उजागर करने के किए बूथ स्तर पर कार्यकर्ता जांचेंगे वोटर लिस्ट : जोगी
- बैठक में नेताओं ने अपने अपने सुझाव दिए

प्रदेश अध्यक्ष उदयभान और सांसद दीपेंद्र के नेतृत्व में वोट चोरी का पर्दाफाश किया जाएगा

जनता के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने का आह्वान

प्रदेश अध्यक्ष उदयभान और सांसद दीपेंद्र हुड्डा के नेतृत्व में वोट चोरी मामले में भाजपा का पर्दाफाश करने को व्यापक अभियान चलाया जाएगा तथा इस मुद्दे को जनता के बीच ले जाने और भाजपा की अनियमितताओं को उजागर करने की रणनीति पर भी चर्चा हुई। गुलिया ने कहा कि भाजपा के वोट चोरी को सामने लाने के लिए बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी कि वे वोटर लिस्ट चेक कर फर्जी वोट को सामने लाए। आठ बार के पार्षद ईश्वर मान ने कहा कि बैठक में लिए निर्णयों का उद्देश्य न केवल पार्टी को मजबूत करना है, बल्कि आगामी चुनावों के लिए ठोस रणनीति तैयार करना भी है। इस मौके पर वेद पुजारी, कुंवर वीर सिंह, कमल सिंह प्रधान, सत्यजीत पिलानिया, सतेंद्र मोर, धीरज सिंह, सुरेश प्रजापत, बलवान प्रधान, मंजीत लंग्यान, मनदीप सुई, सुमन कुंगड़, पूर्व महिला प्रधान अमन तंवर, प्रदेश महिला सचिव रेनूबाला, पूर्व पार्षद शीला गौरा, मास्टर रमेश ढिकाव, समीर खटीक व जिला पार्षद रूपेन्द्र ग्रेवाल ने संबोधित किया और मौजूदा समय में कांग्रेस को एकजुट होकर काम करने और जनता के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने का आह्वान किया।

भिवानी। कांग्रेस तिलक भवन में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते शहरी जिला अध्यक्ष प्रदीप गुलिया जोगी। फोटो: हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर सूबेदार मेजर वीरेंद्र ग्रेवाल, अरुण सर्राफ, अनूप बड़ेसरा, शक्तिसिंह गाढ़ा, शिवकुमार चांगिया, संजय हालुवास, पूर्व जीएम दलवीर सरोहा, पूर्व जीएम नरेश तंवर, बलवंत घणघस, हरेन्द्र जाखड़, रणदीप हुड्डा, वीरेंद्र बापोड़ा, सुमित बराड़, शिवकुमार धानक, लक्ष्मण सैन, विजय नरवाल, मास्टर रविंद्र धनाना, अजय धनाना, अजय हलुवासीय आदि मौजूद रहे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने राहुल से शब्द वापस लेने की मांग की

पीएम की मां पर अभद्र टिप्पणी के विरोध में राहुल का फूंका पुतला

विपक्ष के नेता की इस टिप्पणी से पूरे देश व प्रदेश के लोगों में आक्रोश बना हुआ है।

हरिभूमि न्यूज ⏭बहल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की माता के बारे में कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा की गई अभद्र टिप्पणी से युवा भाजपा कार्यकर्ताओं में आक्रोश फैल गया। युवाओं ने युवा भाजपा नेता रविन्द्र पूनिया के नेतृत्व में कस्बे में विरोध प्रदर्शन करते हुए राहुल गांधी का पुतला फूंका। भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि ऐसी अभद्र टिप्पणी केवल निंदनीय व अशोभनीय है। सभ्य समाज में ऐसी अमर्यादित भाषा को कोई जगह नहीं है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि राहुल गांधी को अपने शब्दों को वापस लेते हुए पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। रविवार को भाजपा युवा मोर्चा कार्यकर्ता मैन बाजार में एकत्रित हुए। वहां से नारेबाजी करते हुए राजगढ मोड़ पर पहुंचे। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजपा युवा नेता रविन्द्र पूनिया ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने पद की गरिमा को ध्यान में न रखते हुए पीएम मोदी की माता के प्रति जो शब्द व्यक्त किए है, उससे उन्होंने देश के लोगों की भावना को ठेस पहुंचाई है। राहुल गांधी की इस टिप्पणी से पूरे देश व प्रदेश के लोगों में आक्रोश बना हुआ है। राहुल गांधी ने अपने बात से यह स्पष्ट कर दिया है कि वो अभी भी अपरिपक्व है और बिना सूझबूझ के ही गलत, अनर्थक व आधारहीन बयानबाजी करते हैं। इस बयान के लिए पूरे देश के समक्ष माफी मांगे।

बहल। राजगढ मोड़ पर राहुल गांधी का पुतला फूंकते हुए युवा भाजपा कार्यकर्ता। फोटो: हरिभूमि

बहल मंडल ने किया विरोध

राहुल गांधी के मंच से पीएम मोदी की माता के लिए की गई अशोभनीय टिप्पणी के लिए भाजपा बहल मंडल ने कड़ा विरोध किया है। भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रवि महमिया, जिला पार्षद व भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रविन्द्र मंढोली, सरपंच साधूराम पनिहार, पूर्व सरपंच गजानंद अग्रवाल, पूर्व चेयरमैन सुशील केडिया, भाजपा जिला उपाध्यक्ष डॉ. सुमन श्योराण, जिला उपाध्यक्ष व बीडीसी उप चेयरमैन प्रमिला मान, पवन शर्मा सुरपुरा, डॉ. विजेन्द्र कस्वां सुरपुरा कलां, सज्जन फौजी बिधनोई, अजय श्योराण बिधनोई सहित अन्य नेताओं ने कहा कि पीएम मोदी की बढती लोकप्रियता से कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपना मानसिक संतुलन खो बैठे है।

ये मौजूद रहे

इस अवसर पर सोनू शर्मा, काकू महमिया, मोहित जांगड़ा, नवनीत शर्मा, मोहित सैनी, आशीष, दीपक सैनी, पवन सैनी, सुमित सांखला, चीकू मेचू, सुरेन्द्र सुरपुरा सहित अनेक युवा मौजूद रहे।

प्रतिभावान छात्रों को मिलेगा प्रोत्साहन

- सैनी कल्याण परिषद के शिक्षा विभाग की बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

रविवार को नेहरू पार्क के सामने सैनी कल्याण परिषद् के शिक्षा विभाग की एक उच्च स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता परिषद् के प्रधान भूप सिंह सैनी ने की। इस बैठक में शिक्षा के क्षेत्र में परिषद् की भावी योजनाओं पर चर्चा की गई। बैठक में राजकुमार सैनी (शिक्षाविद), उप प्रधान आजाद सैनी, उप प्रधान ओमप्रकाश सैनी, महासचिव सुरेंद्र सैनी, कोषाध्यक्ष राजकुमार सैनी, संगठन सचिव सुभाष चंद्र और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आज की बैठक का मुख्य उद्देश्य इस परीक्षा का परिणाम जल्द से जल्द घोषित करना और छात्रवृत्ति के लिए चयनित विद्यार्थियों की सूची तैयार करना था।

भिवानी। कार्यक्रम को लेकर आयोजित बैठक में मंथन करते हुए। फोटो: हरिभूमि

प्रतिभा प्रोत्साहन परीक्षा का परिणाम जल्द होगा घोषित

सैनी कल्याण परिषद् का शिक्षा विभाग पिछले तीन महीनों से समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों के लिए काम कर रहा है। इसी कड़ी में हाल ही में एक प्रतिभा प्रोत्साहन परीक्षा का आयोजन किया गया था, जिसमें जिले के आठ परीक्षा केंद्रों पर लगभग 1500 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

वामिका राष्ट्रीय स्तर की स्पर्धा में करेगी प्रतिनिधित्व

भिवानी। हलवासिया विद्या विहार की कक्षा आठवीं की प्रतिभाशाली छात्रा वामिका ने सी.बी.एस.ई. एथलेटिक्स क्लस्टर-15 खेल प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए 200 मीटर दौड़ में द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। 25 अगस्त से 28 अगस्त 2025 तक श्री कृष्णा प्रणामी स्कूल, हांसी में आयोजित हुई, जिसमें अनेक विद्यालयों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। वामिका ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से ट्रॉफी अपने नाम की तथा अब वह वाराणसी में होने वाली राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में हरियाणा की ओर से प्रतिनिधित्व करेगी।

मेजर ध्यानचंद का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणादायक: प्रवीन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार तथा जिला युवा अधिकारी नित्यानंद यादव, लेखाकार एवं कार्यक्रम सहायक के जितेन्द्र सैनी के सफल मार्गदर्शन में प्रतिवर्ष की भांति मेजर ध्यानचंद की जयंती पर राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया। चरखी दादरी जिले के डोहका दीना स्टेडियम में मेरा युवा भारत ब्लॉक कोर्डिनेटर प्रवीण गोलागढ़ ने बताया कि राष्ट्रीय खेल दिवस पर स्टेडियम में विभिन्न खेलों का आयोजन किया। उन्होंने कहा कि मेजर ध्यानचंद का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने खेलों से देश का नाम रोशन किया।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर विभिन्न खेलों का आयोजन

भिवानी। वालीबॉल खेल स्पर्धा में भाग लेते खिलाड़ी। फोटो: हरिभूमि

रोडवेज कर्मी रतन सिंह ग्रेवाल मुख्य निरीक्षक के पद से हुए सेवानिवृत्त

तोशाम। हरियाणा राज्य परिवहन सब डिपो तोशाम में मुख्य निरीक्षक के पद पर कार्यरत गांव निंगाना निवासी रतन सिंह ग्रेवाल की रविवार को सेवानिवृत्ति के अवसर पर विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान रोडवेज कर्मचारियों ने उनकी विदाई पर धूमधाम से समारोह आयोजित कर उनके कार्यकाल को बखूबी सराहा। उल्लेखनीय है कि तोशाम क्षेत्र के गांव निगाना निवासी रतन सिंह ग्रेवाल नेक तथा मिलनसार स्वभाव के धनी हैं। करीबन 36 साल की नौकरी के पश्चात रविवार 31 अगस्त को उनकी हरियाणा राज्य परिवहन विभाग से साथी कर्मचारियों ने धूमधाम से विदाई की। इस दौरान प्रत्येक रोडवेज कर्मचारी कह रहा था कि रतन सिंह ग्रेवाल अपनी ड्यूटी के प्रति हमेशा सजग रहे हैं और उन्होंने ईमानदारी तथा सभी कर्मचारियों के साथ मिलकर बखूबी अपनी ड्यूटी का निर्वहन किया है।

बड़दु जोगी के स्कूल भवन का विधायक राजबीर फरटिया ने किया निरीक्षण

लोहारू। उपमंडल के गांव बड़दु जोगी के ग्रामीणों ने विधायक राजबीर फरटिया को लिखित शिकायत देकर गांव के सरकारी स्कूल के कथित जर्जर भवन की सुधार की मांग की है। ग्रामीणों ने बरसात के सीजन में खतरे की आशंका जाहिर की है। कांग्रेस विधायक राजबीर फरटिया ने ग्रामीणों के साथ सरकारी स्कूल के भवन का निरीक्षण किया और संबंधित विभाग के अधिकारियों को इसके सुधार के निर्देश दिए। राजबीर फरटिया ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। इस भवन का काम प्राथमिकता पर होगा और जल्द ही मरम्मत का कार्य शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वे लोहारू हलके के लोगों के कल्याण के लिए हर संभव सहयोग को तैयार हैं। इस मौके पर जोगी समाज के युवा प्रदेश अध्यक्ष संजय जोगी, नेकी राम, राम अवतार, सतवीर, तेजपाल, सुनील, राजेश, बलवान, पवन, हवासिह, देशराज, रिंकू, बहादुर, अशोक आदि ग्रामीण मौजूद थे। ग्रामीणों ने विधायक के प्रयासों की सराहना की।

राजकीय महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने साइक्लोथॉन में लिया बढ़-चढ़कर भाग

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

रविवार को भीम स्टेडियम में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती पर राष्ट्रीय खेल उत्सव के तीसरे दिन जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान अतिरिक्त उपायुक्त ने साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जिसमें शहर के विभिन्न महाविद्यालयों, स्कूलों और खेल संगठनों के छात्रों और खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। साइकिल रैली में महाराजा नीमपाल सिंह राजकीय महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स व एनएसएस स्वयंसेवकों ने बड़ी संख्या में भागीदारी की, जिसके लिए जिला प्रशासन ने महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जगवीर सिंह मान को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कॉलेज के नोडल अधिकारी डॉ. वजीर सिंह व डॉ. कपिल शर्मा के साथ-साथ वरिष्ठ प्रोफेसर देवेंद्र दलाल, अनिल सिंघल, सुरेंद्र नरवाल, सतीश खरोलिया, आदि का विशेष योगदान रहा।

भिवानी। साइकिल रैली में शामिल शिक्षक व विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया

साइकिल रैली के समापन पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जगवीर सिंह मान ने जिले के सभी शिक्षण संस्थानों में से सबसे अधिक भागीदारी के लिए सभी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनका आभार जताया। प्राचार्य डॉ. जगवीर सिंह मान ने कहा कि यह आयोजन न केवल मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि थी, बल्कि युवाओं में खेल एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने का भी एक प्रयास था।

मांगों को लेकर कर्मियों ने की बैठक

बहल। हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर यूनियन संबंधित हरियाणा संयुक्त कर्मचारी संघ ब्रांच बहल की मीटिंग सब डिविजन ऑफिस बहल के प्रांगण में संपन्न हुई। मीटिंग में कौशल कर्मचारियों को जॉब सुरक्षा प्रदान किए जाने में सरकार द्वारा की जा रही देरी पर रोष जताया गया। कर्मचारियों से 3 सितंबर को पंचकूला मुख्यालय पर आयोजित रोष प्रदर्शन में भाग लेने की अपील की गई। आयोजित मीटिंग की अध्यक्षता ब्रांच प्रधान रोहताश फौजी ने की। उन्होंने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार कौशल कर्मचारियों की जॉब सुरक्षा सहित 24 मांगों को लागू करने में अनावश्यक देरी कर रही है जो कि सही नहीं है।

3 सितंबर को पंचकूला में रोष प्रदर्शन में भाग लेने की अपील की

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 9253681005, 8295157800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

जूडो और जिम्नास्टिक में खिलाड़ियों ने दिखाया दम-खम

भिवानी। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जंयती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय खेल दिवस पर भीम स्टेडियम में आयोजित तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिताओं में अंतिम दिन रविवार को जूडो, जिम्नास्टिक और एथेलेटिकस खेल आयोजित हुए, जिनमें खिलाड़ियों ने एक-दूसर को पराजित करने के लिए पूरा दमखम व दावपेंच लगाए। जूडो में लड़कियों में देव, निखिल और रेहान और लड़कियों में अन्नू, कामना और मुस्कान विजेता रहीं। एथेलेटिक लडक्रों में मौर्य प्रताप, अंकित और विकास तथा लड़कियों में मुस्कान, तमन्ना और स्नेहा विजेता रही।

- तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता के अंतिम दिन

कार्यक्रम भाजपा सरकार प्रदेश के युवाओं को दे रही है सही दिशा: कौशिक

साइक्लोथॉन में हजारों की संख्या में युवाओं ने साइकिल चलाकर दिया नशा मुक्त का संदेश

- एडीसी डॉ. मुनीष नागपाल ने साइक्लोथॉन में साइकिल चलाकर युवाओं में भरा जोश

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में भीम स्टेडियम में रविवार सुबह खेल युक्त हरियाणा-नशा मुक्त हरियाणा थीम के साथ विशेषकर युवाओं को खेलों से जोड़ने और नशे से दूर रहने के संदेश को लेकर साइक्लोथॉन यात्रा का आयोजन किया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष विरेंद्र कौशिक ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने हरी झंडी दिखाकर साइक्लोथॉन यात्रा को रवाना किया। हजारों की संख्या में विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी, खिलाड़ी और अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। एडीसी डॉ. मुनीष नागपाल, एसडीएम महेश कुमार, डीएसपी अनूप कुमार आदि मौजूद रहे।

भिवानी। साइक्लोथॉन यात्रा झंडी दिखाकर रवाना करते हुए। फोटो: हरिभूमि

किया स्वागत

साइक्लोथॉन यात्रा भीम स्टेडियम में शुरु हुई, जो हांसी रोड़ से होते हुए बासिया भवन, हांसी गेट, जेबी गुप्ता अस्पताल के सामने से चिड़ियाघर मोड से भीम स्टेडियम में संपन्न हुई। साइक्लोथॉन यात्रा के दौरान जिला खेल अधिकारी सतेंद्र कुमार ने मुख्य अतिथि और अन्य अधिकारियों का स्वागत किया।

कई प्रतियोगिताएं हुई

साइक्लोथॉन यात्रा को रवाना करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष कौशिक ने कहा कि सरकार द्वारा मेजर ध्यानचंद का जन्मदिवस 29 से 31 अगस्त राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में देशभर में मनाया गया है, जिसमें विभिन्न प्रकार की खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखना जरूरी है। नशा जीवन को बर्बाद कर देता है। भाजपा सरकार का मुख्य उद्देश्य युवाओं के भविष्य को उज्जवल बनाना है।